ऑस्ट्रिया के संसदीय शिष्टमंडल के सम्मान में आयोजित भोज में माननीय अध्यक्ष का भाषण

नेशनल काउंसिल के प्रेसिडेंट महामहिम वुल्फगैंग सोबोत्का, फेडरल काउंसिल की प्रेसिडेंट महामहिम क्रिस्टीन श्वार्ज-फुक्स, संसद के सदस्यगण मिस्टर राइन-होल्ड लोपात्का, मिस्टर क्रिस्टॉफ मात्ज-नेटर और मिस्टर निकोलस शिराक तथा शिष्टमंडल के अन्य सदस्यगण और मेरे प्रिय मित्रो,

---

- मैं आप सभी का भारत की संसद और भारत की जनता की ओर से स्वागत और अभिनंदन करता हूं। आप हमारे आमंत्रण पर भारत की यात्रा पर पधारे, इसकी हमें बहुत खुशी है।

- मुझे प्रसन्नता है कि आप आज हमारी संसद के बजट सत्र के बीच पधारे और आपने हमारे जीवन्त लोकतंत्र के सदन की कार्यवाही भी देखी।

- भारत दुनिया का सबसे बड़ा कार्यशील लोकतंत्र है। संघीय ढांचे के तहत हमारे यहां हर वर्ष किसी न किसी में राज्य में चुनाव होते रहते हैं और चुनाव परिणामों के अनुरूप सत्ता का सुगम हस्तांतरण होता है। अभी हाल ही में हमारे यहां 5 राज्यों के चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न हुए हैं। हमारे देश में मतदाता एक पर्व की तरह लोकतंत्र की इस प्रक्रिया में उत्साहपूर्वक भागीदारी करते हैं।

- महामहिम, भारत और ऑस्ट्रिया के बीच प्राचीन समय से मैत्रीपूर्ण संबंध रहे हैं। दोनों देश लोकतंत्र में गहरी आस्था तथा लोकतांत्रिक मूल्यों में अटूट विश्वास रखते हैं। यह आस्था और विश्वास ही दोनों देशों के संबंधों को और प्रगाढ़ बनाती है।

- भारत और ऑस्ट्रिया के विचारों में समानता है। भारत सदैव से ही विश्व में शांति और स्थिरता का पक्षधर रहा है। वसुधैव कुटुंबकम की भावना के साथ हमारा प्रयास रहा है कि पूरा विश्व प्रगति की ओर बढ़े तथा मानवता का कल्याण हो।

- इसी प्रकार आपके भी प्रयास विश्व में शांति और स्थिरता को प्रोत्साहित करने की दिशा में रहते हैं, इसके लिए मैं आपका साधुवाद व्यक्त करता हूं।

- दोनों देश के बीच अंतरराष्ट्रीय मंचों पर विभिन्न मुद्दों पर आपसी सहयोग की लंबी परम्परा रही है। वर्ष 2024 में दोनों देशों के गौरवशाली द्विपक्षीय संबंधों के 75 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं, जो हमारे दीर्घकालिक संबंधों की अहमियत को दर्शाते हैं।

- सितंबर 2021 में वियना में संसदों के अध्यक्षों के पांचवें विश्व सम्मेलन के दौरान मेरी आपसे भेंट हुई थी।

- यात्रा के दौरान द्विपक्षीय वार्ता में भी हमारी लंबी चर्चा हुई थी। आपने वियना में भारतीय शिष्टमंडल का जो आतिथ्य सत्कार किया, इसके लिए भी मैं आपका साधुवाद करता हूं।

- मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि भारत और ऑस्ट्रिया के बीच कला, संस्कृति और अन्य विषयों पर परस्पर संपर्क एवं सहयोग में वृद्धि हुई है।

- ऑस्ट्रिया में भारत के 31 हजार से अधिक लोग हेल्थ केयर सेक्टर, व्यवसाय-व्यापार सहित विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे हैं।

- वियना यात्रा के दौरान उनसे भी मेरा मिलना हुआ था। उन्होंने भी कहा था कि वे ऑस्ट्रिया में अपने प्रवास को सुखद-सुरक्षित और लाभदायक मानते हैं।

- मुझे आशा है कि आपके यहां आने से हमारे संसदीय संबंध और अधिक सशक्त और मजबूत होंगे। इस यात्रा के दौरान हम जो अनुभव और विचार साझा करेंगे, उससे दोनों ही देशों में लोकतंत्र मजबूत होगा तथा हम लोकतांत्रिक संस्थाओं के माध्यम से देश की जनता का सामाजिक-आर्थिक रूप से कल्याण कर पाएंगे।

- मुझे विश्वास है कि भारत की यात्रा के दौरान आप यहां की बहुरंगी संस्कृति और विविधताओं की अनुभूति करेंगे। यहां के दर्शनीय स्थानों और भारतीयों के आतिथ्य भाव की सुनहरी यादें संजोकर साथ ले जाएंगे। धन्यवाद।